सैनिक डेरी फार्म

*476. **श्री शिव प्रसाद चनपुरिया :** क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत में कुल कितने सैनिक डेरी फार्म हैं और उनमें भारतीय, विदेशी तथा संकर नस्ल की कितनी-कितनी गायें हैं ;

(ख) इन गायों से प्रतिदिन कितना दूध प्राप्त होता है ;

(ग) क्या यह सेना की आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त है ;

(घ) यदि नहीं, तो शेष आवश्यकता की पूर्ति किस प्रकार की जाती है ; और

(ङ) क्या सैनिक डेरी फार्म के पशुओं के चरने के लिए पर्याप्त चारा-गाह क्षेत्र हैं, यदि हां, तो वे कहां-कहां पर हैं ?

रक्षा मंत्री (श्री शरद पवार) : (क) से (ङ०) भारत में कुल 84 सैनिक फार्म हैं, इनमें से 41 फार्मों में दुधारू पशु हैं । फार्मों में उपलब्ध गायों का विवरण निम्न प्रकार से है :—

नस्ल	प्रौढ	हाईफर्म तथा बछड़े
भारतीय (साहीवाल)	94	60
संकर नस्ल (होल्स्टीन-फ्रिसियन और साहीवाल का संकर प्रजनन)	12,596	9213
विदेशी नस्ल	शून्य	शून्य

दूध के उत्पादन की मात्रा भिन्न-भिन्न मौसमों में दिन प्रतिदिन अलग-अलग होती है और यह विभिन्न कारणों पर निर्भर करती है । वर्ष 1991–92 के दौरान दैनिक औसत उत्पादन 80,532 लीटर था ।

सैनिक फार्मों में उत्पादित दूध सैन्य आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है । दुध की शेष आवश्यकता सहकारी दुग्ध संगठनों/सरकारी दुग्ध योजनाओं या निजी व्यापारियों से खरीद कर पूरी की जाती है ।

केवल निम्नलिखित 13 सैनिक फार्मों में उनके पशुओं के लिए चारे के लिए पर्याप्त चारागाह हैं :—

1. बंगलौर
2. पानागढ़
3. अम्बाला
4. बीर सोरगवाल
5. जालंधर
6. फिरोजपुर
7. आगरा
8. इलाहाबाद
9. बरेली
10. कानपुर
11. लखनऊ
12. मेरठ
13. नामकुम

Setting up of cotton mills in Gujarat

*477. SHRI RAJUBHAI A. PARMAR: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state: (a) what are the names of the places in Gujarat where cotton mills in cooperative sector have been set up;

(b) what are the district-wise details thereof; and (c) what are the names of the district in which these mills are likely to be set up during the nejft year?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI ASHOK GEHLOT): (a) and (b) As per the information made available by National Cooperative* Development Corporation, cotton

mills in the Cooperative Sector in Gujarat are as under:—

(1) The Narmada Rao Utpadak;-ani Sahakari Spinning Mills Ltd., Distt. Bharuch,

(2) The Sabarkantha Jilla Ru Utpadakani Cooperative Spinning Mills Ltd. Distt. Saharkanlha.

(3) Saurashtra Cooperative Spinning Mills Ltd., Limbdi Surendra Nagar Distt.

(4) The Surat Distt Cooperative Spinning Mills Ltd., Distt. Surat.

(5) The Visnagar Cooperative Spinning Mills Ltd., Visanagar Distt. Mehsana (North Gujarat).

(c) Government of Gujarat has not proposed setting up of any new mills during the next year.

Slump in silk saree industry

*478. SHRI KRISHAN LAL SHARMA: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there fa a slump in the silk saree industry in the country;

(b) whether it is also a fact that the condition of weavers engaged in the industry is miserable;

(c) if so, the reasons thereof; and

(d) what steps Government pro pose to take to arrest the slump in the industry and improve the con dition, of weavers?

THE MINISTER OF STATE OF THE MiN^RFRY OF TEXTILES (SHRI ASHOK GEHLOT): (a) to (d) While off-take. of silk items is subject to seasonal variations, there are no reports with Central Govern-ment about adverse conditions of the weivwi. . ,

A number of Schemes are being implemented for providing different types of assistance to the weavers (in cluding silk weavers) for ameliora ting their conditions. Further in order to encourage/boost the silk production in the country, the Cen tral Silk Board[1] is supplementing the efforts of various State Governments by providing necessary support thro ugh its country-wide network of re search, extension & training units. Besides a World Bank assisted Natio nal Sericulture Project is also under implementation.

Further, with a view to make available quality silk yarn to the weavers at stable prices, /Government has introduced a National Silk Yarn Bank Scheme from 1992-93 to be implemented, to begin with, in the States of Tamil Nadu, Andhra Pradesh, West Bengal, Uttar Prad'esh, Bihar, Orissa and the North Eastern States'.

राष्ट्रीय वस्त्र निगम के उद्देश्य

*479. श्री गोपाल सिंह जी सोलंकी : क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या राष्ट्रीय वस्त्र निगम ने अब उन उद्देश्यों को प्राप्त कर लिया हैं जिनके लिए इसकी स्थापना की गई थी ;

(ख) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है ; और

(ग) क्या यह भी सच है कि नौकरशाहों में व्याप्त भ्रष्टाचार और उनके अविवेक पूर्ण निर्णयों के कारण इन उद्देश्यों को प्राप्त नहीं किया जा सका ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अशोक गहलोत) (क) से (ग) राष्ट्रीय वस्त्र निगम को निगमित करने का मुख्य उद्देश्य सरकार द्वारा अधिग्रहीत रुग्ण वस्त्र उपक्रमों के मामलों की देखरेख करना था यह भी प्रस्ताव था कि इन मिलों को आर्थिक रुप से अर्थक्षम बनाने के लिये